

प्रेषक,

अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून : दिनांक / 2 जुलाई, 2016

विषय- वित्तीय वर्ष 2016-17 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के क्रियान्वयन हेतु बीमा प्रीमियम के राज्यांश का भुगतान करने हेतु धनराशि अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-5प/1/25/2016-17/13782, दिनांक 23/24-6-2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना से आच्छादित करने हेतु बीमा कम्पनियों को प्रीमियम देने के लिये राज्यांश के रूप में संलग्नक में अंकित विवरणानुसार कुल रू0 1,56,57,884/- (₹ एक करोड़, छप्पन लाख, सत्तावन हजार, आठ सौ, चौरासी मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. यह सुनिश्चित किया जाय कि बीमा कम्पनियों द्वारा किया गया व्यय अनुबन्ध में निर्धारित प्राविधानों के अनुसार है।
2. धनराशि का आहरण करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि गत वित्तीय वर्ष में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है। विगत वर्ष में लाभार्थियों की बीमा अवधि बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में भारत सरकार से सहमति प्राप्त होने एवं उक्त के लिये अपेक्षित धनराशि प्राप्त होने अथवा सैद्धांतिक सहमति प्राप्त होने पर ही उक्त के लिये अपेक्षित राज्यांश का आहरण/व्यय नियमानुसार किया जायेगा।
3. धनराशि का व्यय उसी मद में किया जाये, जिसके लिये यह स्वीकृति दी जा रही है। स्वीकृत मद से इतर कदापि व्यय न किया जाय।
4. धनराशि कोषागार से शीघ्र आहरित कर स्टेट नोडल ऑफिसर राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना को बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं जनपदों के लाभार्थियों के स्वास्थ्य बीमा पर किया जाय जिसके लिये बीमा कम्पनियों के साथ अनुबन्ध निष्पादित हुआ है।
6. उक्त धनराशि का आहरण/व्यय यथाआवश्यकतानुसार मितव्ययता को ध्यान में रखकर नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

146A

7. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय प्रत्येक दशा में दिनांक 31.03.2017 तक करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण-पत्र महालेखाकार उत्तराखण्ड एवं शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। यदि उक्त तिथि को कोई धनराशि अवशेष रहती है, तो वह नियमानुसार शासन को समर्पित कर दिया जाय।

8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 में लेखानुदान के माध्यम से अनुदान संख्या-12-लेखाशीर्षक-2210-06-800-01-0106-राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (25 प्रतिशत राज्यांश) मानक मद-42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-37(P)/XXVII(3)/2016-17, दिनांक 11 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त(एलॉटमेंट आई0डी0 सहित)

भवदीय,

(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव

संख्या-620(1)/XXVIII-4-2016-61/2012, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबरॉय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, 23-लक्ष्मी रोड, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महानिदेशालय, देहरादून।
5. वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. चिकित्सा अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव